ऑस्ट्रेलिया के सर्वाधिक संकटग्रस्त पक्षियों और उनकी "कॉल्स" (बोली) का एक एल्बम, नैशनल पॉप चार्ट्स में टायलर स्विफ्ट और ऐबा को पीछे छोड़कर तीसरी पायदान पर पहुँच गया है। "साँग्स ऑफ डिसअपियरैंस" 24 मिनट का एक एल्बम है जिसमें ऑस्ट्रेलिया के सर्वश्रेष्ठ वाइल्डलाइफ साउण्ड रिकॉर्डिस्ट डेविड स्टुअर्ट ने संकटग्रस्त पक्षियों की बोली रिकॉर्ड की है। एल्बम की 2 हज़ार कॉपी बिक चुकी हैं। बिक्री से हुई समस्त आय पक्षियों के संरक्षण कार्यों के लिए दी गई है। यह कार्य तब शुरु हुआ जब, चार्ल्स डार्विन युनिवर्सिटी के एक कन्ज़र्वेशन प्रोफेसर स्टीफन गारनैट ने ऑस्ट्रेलियन बड्र्स के लिए "एक्शन प्लान 2020" को अंतिम रुप दिया। रिपोर्ट में सामने आया कि ऑस्ट्रेलिया की छः में से एक देसी चिड़िया प्रजाति को विलुप्ति का खतरा है। स्टीफन गारनैट ने अपने पी.एच.डी. छात्र एन्थनी ऑलब्रैक्ट से इसकी चर्चा की। एन्थनी मल्टीमीडिया कंपनी "बावरबर्ड क्लैक्टिव"के दो मालिकों में से एक हैं। एन्थनी ने उनसे पूछा कि क्या पक्षियों के लिए तैयार किए गए एक्शन प्लान के प्रति जागरुकता पैदा करने के लिए उनकी कंपनी कुछ कर सकती है? इसके बाद पक्षियों की बोली का एक एल्बम बनाने के आइडिया ने जन्म लिया। बावरबर्ड के दोनों मालिक संगीतकार हैं, एन्थनी चैलो बजाते हैं और सिमोन स्लैटरी पिआनो वादक हैं। दोनों ने मिलकर यह एल्बम तैयार किया, जिससे हुई आय बर्डलाइफ ऑस्ट्रेलिया को डोनेट कर दी गई है। एल्बम में गाने वाली कुछ चिड़ियाँ तो गंभीर रुप से संकटग्रस्त हैं, और नाइट पैरेट के अस्तित्व के बारे में तो 2013 तक विज्ञान को कोई जानकारी तक नहीं थी। एल्बम की हर एक सी.डी. के साथ एक्शन प्लान की एक कॉपी दी जाती है। अब यह अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी उपलब्ध है।

'यू.पी. के चुनावी सर्वेक्षणों का सार निकालें तो बहुमत भाजपा को ही मिलता नजर आता है'

सभी सर्वेक्षणों का औसत है कि, भाजपा को 231 से 235 व सपा को 147 से 157 सीटें मिलने की संभावना है

नई दिल्ली, 18 जनवरी। यू.पी. चुनाव में किस पार्टी की सत्ता आयेगी यह सवाल इस समय सबसे प्रमुख चर्चा का विषय है। विशेषज्ञ इस पर अलग-अलग राय पेश कर रहे हैं लेकिन इन सबके बीच टी.वी. चैनल्स एवं मीडिया संस्थानों द्वारा कराये गये सर्वे की भी अपनी ही महत्ता होती है क्योंकि ये सर्वे भी किसी हद तक जनता के बीच जाकर ही तैयार किये जाते हैं और सीधे तौर पर जनता का मूड दर्शाते हैं।

अभी तक सात प्रमुख सर्वे एजेंसियों के डेटा का औसत निकाला जाये तो यह साफ होता है कि, सत्ता में इस बार फिर भाजपा की वापसी हो जायेगी। यदि इन सात एजेंसियों के सर्वे का औसत निकालने पर जो नतीजा सामने आता है, उसके मुताबिक योगी एक बार फिर यू.पी. के सी.एम. बनने जा रहे हैं। बीजेपी 221-231 सीटें जीत सकती है। एस.पी. को 147-157 सीटें मिल सकती हैं। बी.एस.पी. 7-13 सीटें जीत सकती है तो कांग्रेस को 5-9 सीटों के साथ संतोष करना पड़ सकता है।

सीवोटर के ताजा ओपिनियन पोल में दावा किया गया है कि यू.पी. में एक बार फिर योगी सरकार बनने जा रही है। बीजेपी को 223-235 सीटें मिल सकती हैं। वहीं सपा को 145-157 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है। एजेंसी के मुताबिक, बी.एस.पी. को 8-16 सीटों से संतोष करना पड़ सकता है तो कांग्रेस के हाथ सिर्फ 3-7 सीटें आने के अनुमान लगाया गया है।

इंडिया टीवी की ओर से प्रसारित किए गए सर्वे में कहा गया है कि बीजेपी को 230-235 सीटें मिल सकती हैं। सपा 160-165 सीटों पर कब्जा कर सकती है। बी.एस.पी. को महज 2-5 सीटें मिलने की बात कही गई है तो कांग्रेस 3-7 सीटों पर सिमट सकती है।

रिपब्लिक टी.वी. और पी मार्क की ओर से सोमवार को प्रसारित सर्वे के मुताबिक, बीजेपी को 252-272 सीटें मिल सकती हैं तो सपा 111-131 सीटें जीत सकती है। बी.एस.पी. को 8-16 सीट मिलने की संभावना जताई गई है तो कांग्रेस को सबसे कम 3-9 सीटें मिल सकती हैं।

पोलस्टार न्यूज एक्स के ओपिनियन पोल के मुताबिक, बीजेपी को यू.पी . विधानसभा चुनाव में 235-245 सीटों पर जीत मिल सकती है। सपा को 120-130 सीटें मिल सकती हैं। बसपा 13-16 सीटें जीत सकती है तो कांग्रेस को 4-5 सीटों से संतोष करना पड़ सकता है।

डीबी लाइव के ओपिनियन पोल के नतीजे बताते हैं कि इस बार यू.पी. में अखिलेश यादव के नेतृत्व में सपा की सरकार बन सकती है। सपा को 203-211 सीटें मिल सकती हैं। वहीं भाजपा को 144-152 सीटें लेकर विपक्ष में बैठना पड़ सकता है। बी.एस.पी. को 12-20 सीटें मिलने का दावा किया गया है तो वहीं कांग्रेस को भी 19-27 सीटें मिल सकती हैं। दूसरी एजेंसियों के मुकाबले डीबी लाइव के सर्वे में एस.पी., बी.एस.पी. और कांग्रेस को सबसे अधिक और भाजपा को सबसे कम सीटें दी गई हैं।

टाइम्स नाओ-वीटो के सर्वे के मुताबिक, बीजेपी को यू.पी. में स्पष्ट बहुमत मिलेगा। बीजेपी 240 सीटों पर कब्जा कर सकती है तो सपा को 143 सीटें मिलने की भविष्यवाणी की गई है।

पाकिस्तान बॉर्डर पर बीएसएफ का ऑपरेशन "सर्द हवा" 23 से 28 तक

बॉर्डर पर सर्दियों के दिनों में कोहरे और धुंध के कारण सीमा पार से घुसपैठ की नापाक हरकत से निपटने के लिए सीमा सुरक्षा बल ऑपरेशन आयोजित कर रहा है

- इस ऑपरेशन के अंतर्गत सीमा की तारबंदी के आसपास नफरी बढ़ा दी जाती है तथा हैडक्वार्टर के सभी जवान अधिकारी सीमा पर रहते हैं तथा तारबंदी के आस-पास 24 घंटे निगरानी रखी जाती है।
- बी.एस.एफ. की इंटैलीजैंस विंग अन्य खुफिया एजेंसियों से तालमेल रखती है और संदिग्ध गतिविधि पर कड़ी निगाह रखती है।

जैसलमेर, 18 जनवरी (नि.सं.)। गणतंत्र दिवस को लेकर बीएसएफ भारत- पाकिस्तान बॉर्डर पर ऑपरेशन अलर्ट सर्द हवा शुरू करने जा रही है। बॉर्डर पर सर्दियों के दिनों में कोहरे और धुंध के कारण सीमा पार से घुसपैठ की नापाक हरकत से निपटने के लिए बी.एस.एफ. हाई अलर्ट पर आ जाती है। राजस्थान की पाकिस्तान से लगती सीमा पर 23 से 28 जनवरी तक ऑपरेशन सर्द हवा के नाम से सीमा सुरक्षा बल का ऑपरेशन चलेगा, जिसमें तारबंदी के आसपास नफरी को बढ़ाया जाएगा। हेड क्वार्टर के सभी जवान और अधिकारी इस दौरान सीमा पर रहेंगे और तारबंदी के पास 24 घंटे निगरानी करेंगे।

सीमा सुरक्षा बल नॉर्थ सैक्टर के डीआईजी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि भारत कि पहली रक्षा पंक्ति सीमा सुरक्षा बल साल भर तारबंदी के पास मुस्तैद रहती है। गणतंत्र दिवस पर सीमा सुरक्षा बल बॉर्डर पर विशेष निगरानी कार्यक्रम चलाती है। इस ऑपरेशन अलर्ट को ऑपरेशन सर्द हवा का नाम दिया गया है, जो 23 से 28 जनवरी तक चलेगा। इस दौरान आम दिनों में होने वाली पैट्रोलिंग और गश्त के मुकाबले नफरी को ज्यादा बढ़ाया जाता है। सीमा इलाके में तारबंदी के पास बीएसएफ के अधिकारी लगातार व्हीकल पैट्रोलिंग करेंगे । उन्होंने बताया कि धुंध और कोहरे का फायदा उठाकर सीमा पार से किसी भी तरह की घुसपैठ, तस्करी और नापाक हरकत रोकने के लिए जवान और अधिकारी चौकस रहते हैं। इसके अलावा खुर्रा चैकिंग भी इस दौरान तेज कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन के दौरान सीमा पर बीएसएफ की इंटेलिजेंस विंग भी एक्टिव रहती है और अन्य खुफिया एजेंसियों से भी बीएसएफ का तालमेल रहता है और हर एक संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखी जाती है।

गौरतलब है कि बीएसएफ अपनी रूटीन एक्सरसाइज के दौरान गर्मी के मौसम में ऑपरेशन गर्म हवा और सर्दी के मौसम में ऑपरेशन सर्द हवा चलाती है। हर साल यह अभियान चलता है और इस दौरान सीमा पर कड़ी निगरानी रखी जाती है । ऑपरेशन सर्द हवा में सीमा से सटी पुलिस की चौकियां भी विशेष निगरानी रखेगी ।

ममता बनर्जी वर्चुअल रैली करेंगी अखिलेश यादव के लिए

नई दिल्ली, 18 जनवरी। तृणमूल कांग्रेस (टी.एम.सी.) ने यू.पी. चुनाव में समाजवादी पार्टी (सपा) को समर्थन देने का ऐलान किया है। टी.एम.सी. सुप्रीमो और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आगामी 8 फरवरी को लखनऊ में सपा प्रमुख अखिलेश यादव के साथ वर्चुअल सभा करेंगी। इसके बाद वह पी.एम. मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में भी ऑनलाइन प्रचार करेंगी।

- बंगाल चुनाव में अखिलेश यादव ने भी तृणमूल को खुला समर्थन दिया था और बदले में ममता बनर्जी भी अखिलेश के प्रचार में सहयोग करेंगी।

समाजवादी पार्टी के उपाध्यक्ष किरणमय नंदा ने मंगलवार को ममता बनर्जी से उनके आवास पर मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने बताया कि टी.एम.सी. ने साफ कहा कि वह उत्तर प्रदेश में उम्मीदवार खड़ा नहीं करेगी, बल्कि सपा को समर्थन करेगी। किरणमय नंद ने कहा कि उत्तर प्रदेश के चुनाव पर पूरे देश की निगाहें टिकी हुई हैं।

'एन.डी.ए. में महिलाओं की संख्या इतनी कम क्यों है'

सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र सरकार से महिला अभ्यर्थियों के सीमित प्रवेश के मामले में यह तीखा सवाल किया

- न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश की युगल पीठ ने एक याचिका पर सुनवाई के बाद सरकार को नोटिस जारी किया। अदालत ने कुल 370 सीटों में सिर्फ 19 महिलाओं को प्रवेश के प्रस्ताव पर सरकार को जवाब तलब किया है।

नई दिल्ली, 18 जनवरी (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एन.डी.ए.) तथा सैन्य संचालित अन्य स्कूलों एवं कॉलेजों में महिला अभ्यर्थियों के प्रवेश सीमित करने के मामले में केंद्र सरकार से मंगलवार को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया।

न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश की युगल पीठ ने एक याचिका पर सुनवाई के बाद सरकार को नोटिस जारी किया। अदालत ने कुल 370 सीटों में सिर्फ 19 महिलाओं को प्रवेश के प्रस्ताव पर सरकार को जवाब तलब किया।

केंद्र सरकार ने कहा है कि एन.डी.ए.-(1) 2022 परीक्षा के लिए सेना, नौसेना और वायु सेना के लिए कुल महिला उम्मीदवारों की संख्या 19 तक सीमित कर दिया गया है।

याचिकाकर्ता कुश कालरा ने यह तर्क दिया कि केंद्र ने मई 2022 तक महिला उम्मीदवारों के लिए ढांचागत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए शीर्ष अदालत के समक्ष पेश किया, लेकिन इसने प्रवेश की संख्या को 20 से कम उम्मीदवारों तक सीमित कर दिया है।

केंद्र ने पीठ को बताया कि एन.डी.ए. में महिला अभ्यर्थियों के प्रवेश की संख्या की आवश्यकता पर निर्भर करता है। शीर्ष अदालत से सरकार ने कहा है कि वह तीन सप्ताह के भीतर एक विस्तृत हलफनामा दाखिल कर अपना रुख स्पष्ट करें। पीठ ने आवेदक का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता चिन्मय प्रदीप शर्मा की दलीलें भी अपने आदेश में दर्ज कीं।

शर्मा ने दलीलें पेश करते हुए कहा कि सेना में शामिल किए जाने वाले उम्मीदवारों की संख्या 208 है, जिनमें 10 महिलाएं हैं। इसी प्रकार तीन महिलाओं सहित नौसेना में 42 उम्मीदवार शामिल हैं।

भारतीय वायुसेना में नामांकन के मामले में छह महिलाओं सहित 120 उम्मीदवारों को शामिल किये जाने का प्रस्ताव है।

आजम खान जेल से ही चुनाव लड़ेंगे

- सपा ने आजम खान को टिकट दिया और फिर से रामपुर से उम्मीदवार बनाया।

लखनऊ, 18 जनवरी। समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता सांसद आजम खां भी विधानसभा का चुनाव लड़ेंगे। सपा ने आजम खां को रामपुर से उतारने की तैयारी कर ली है। आजम खां फिलहाल सीतापुर जेल में बंद हैं। आजम खां के बेटे अब्दुल्ला आजम को भी स्वार से उतारा जा रहा है। सपा जिलाध्यक्ष वीरेंद्र गोयल के अनुसार इन दोनों के अलावा चमरौआ से नसीर खान, बिलासपुर से अमरजीत सिंह और मिलक से विजय सिंह को उतारा गया है।

मंगलवार को ही अब्दुल्ला आजम ने अखिलेश यादव से मुलकात की थी। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा था कि पार्टी जो कहेगी उसे मानूंगा। बता दें कि अब्दुल्ला आजम 2017 में स्वार सीट से सपा के टिकट पर जीत हासिल की थी। लेकिन बीजेपी नेता आकाश सक्सेना ने उनकी जन्मतिथि पर सवाल उठाते हुए मुकदमा किया था। फर्जी प्रमाणपत्र के मामले में हाईकोर्ट ने उनकी विधानसभा सदस्यता रद्द कर दी थी।

वहीं, आजम खां और उनके बेटे के चुनाव लड़ने पर बीजेपी ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा है। बीजेपी प्रवक्ता शलभमणि त्रिपाठी ने कहा कि समाजवादी पार्टी उन्हीं लोगों को टिकट दे रही है जो या तो जेल में बंद हैं या फिर बेल पर बाहर हैं।

उन्होंने कहा कि जिन्हें योगी सरकार ने जेल में डाला उन्हें टिकट देकर समाजवादी पार्टी यह साबित कर दिया है कि वे गुंडों और दंगाइयों के साथ है।

समाजवादी पार्टी के एम.एल.सी. राजपाल कश्यप ने बीजेपी के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि बीजेपी ने उनके नेताओं पर झूठे मुक़दमे दर्ज करवाए हैं। सबसे ज्यादा अपराधियों को टिकट बीजेपी ने दिए हैं।

पारसी समुदाय...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ऑफ साइलैंस में ऊँचाई पर रख दिया जाता है ताकि उसे गिद्ध खा जाएं और बाकी शव धूप में पड़ा रहता है और सड़ जाता है।

दिल्ली शहर जहां गिद्ध नहीं है वहां पारसी शवों को खान मार्केट के पास एक कब्रिस्तान में दफनाया जाता है। कई अन्य भागों में भी पारसी शवों को दफनाते है। मुम्बई और कई अन्य शहरों तथा गुजरात के कुछ शहरों के पारसी शवों का अंतिम संस्कार टावर ऑफ साइलैंस पर करने के लिए जिद पर अड़े हैं।

सूरत पारसी पंचायत बोर्ड ने कोविड से मरने वाले पारसी लोगों का अंतिम संस्कार समुदाय की परम्परा अनुसार करने की अनुमति दिए जाने की मांग करते हुए गुजरात हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी जिसे गत 23 जुलाई को खारिस कर दिया गया फिर उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की।

'मैं मोदी को पीट भी सकता हूं और गाली भी दे सकता हूं'

- महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नानाभाउ पटोले ने प्र.मंत्री मोदी के खिलाफ विवादित बयान दिया।

मुंबई,18 जनवरी (वार्ता)। अक्सर अपने तीखे बयानों के लिए चर्चा में रहने वाले महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले अब अपने एक नए बयान के कारण लंबी मुसीबत में फंसते दिखाई दे रहे हैं। वह एक वायरल वीडियो में कहते सुनाई दे रहे हैं कि मैं मोदी को मार भी सकता हूं, गाली भी दे सकता हूं। इस बयान के बाद प्रदेश भाजपा उनके विरुद्ध आंदोलन पर उतर आई है और उनकी गिरफ्तारी की मांग कर रही है। मंगलवार को वायरल हुए वीडियो में नाना पटोले महाराष्ट्र के भंडारा जिले में ग्रामीणों के एक समूह को संबोधित करते दिखाई दे रहे हैं।

अपने भाषण में वह कहते हैं कि अपने 30 साल के राजनीतिक जीवन में मैंने किसी का पक्ष नहीं लिया। जो मेरे पास आया है, सबकी मदद की है। इसलिए मैं मोदी को मार भी सकता हूं, और गाली भी दे सकता हूं। इंटरनेट पर उनका यह बयान वायरल होने के बाद महाराष्ट्र प्रदेश भाजपा की ओर से उनकी तीखी आलोचना की जा रही है। भाजपा नेताओं ने कहा कि उद्धव ठाकरे पर टिप्पणी करने के कारण जिस तरह केंद्रीय मंत्री नरायण राणे को महाराष्ट्र पुलिस ने गिरफ्तार किया था, उसी तरह पुलिस को इस अभद्र टिप्पणी के लिए नाना पटोले को गिरफ्तार करना चाहिए।

वहीं पटोले के बयान से उत्तेजित और निराश होकर महाराष्ट्र भाजपा के कार्यकर्ताओं ने विदर्भ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित टिप्पणी के लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर कांदिवली और राज्य भर में मंगलवार को आंदोलन शुरू किया।

आप के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हालांकि मुफ्त बिजली, पानी और महिलाओं को आर्थिक सहायता दिए जाने जैसी लोक लुभावन घोषणाएं करने से आप की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। और इससे सत्तारूढ़ कांग्रेस तथा अन्य पार्टियों को भी लोक लुभावन घोषणाएं करने को मजबूर हो रही हैं।

विन्टर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अभी तक संक्रमण सीमित है क्योंकि बीजिंग को आइसोलेट करने के लिए भारी बंदोबस्त किया गया है तथा शहर आने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है।

गत सप्ताह से चीन के विभिन्न शहरों में 2 करोड़ लोग घरों में कैद हैं इनमें तिआनजिन भी शामिल है जो बीजिंग से 70 मील दूर एक विख्यात बंदरगाह है।

आयोजकों ने ज्यादा जानकारी दिए बिना ही कहा कि उन्होंने कुछ ही दर्शकों को अनुमति देने की योजना बनाई है।

एक साल में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकिन प्रतिभागियों की एक बड़ी संख्या की राय यह है कि बाइडन के राष्ट्रपति काल ने उन्हें हताश, निराश और बेचैन किया है। इस असंतोष में इजाफा करने वाली एक वास्तविकता यह है कि प्रतिभागियों के 39 प्रतिशत का कहना है कि बाइडन और डैमोक्रेट्स उन मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित कर रहे हैं जिनकी उन्हें परवाह नहीं है। जिन प्रतिभागियों ने बाइडन को नापसंद किया, उनसे यह पूछा गया कि बाइडन को ऐसा क्या करना चाहिए जिससे कि उनको लेकर बनी राय में थोड़ा सुधार हो, तो 63 प्रतिशत ने कहा कि यदि बाइडन महंगाई को नियंत्रित कर लें तो और 24 प्रतिशत का कहना था कि यदि वे अपने बिल्ड बैंक बैटर स्पैन्डिंग प्लान को सीनेट में पारित करा लें तो।

लेकिन 76 प्रतिशत का कहना है कि "बिल्ड बैक बैटर" विधेयक के पारित होने से, उनको लेकर बनी उनकी राय में कोई बदलाव नहीं होगा और 37 प्रतिशत का कहना है कि महंगाई को नियंत्रित करने से उनको लेकर बनी राय में परिवर्तन नहीं होगा।

वे लोग जो करोना वायरस की वैश्विक महामारी के लिए बाइडन के प्रबंधन को नापसंद करते हैं, उनमें से 69 प्रतिशत इसका कारण भ्रामक सूचना को मानते हैं, 61 प्रतिशत राष्ट्रपति को इसलिए दोष देते हैं कि उन्होंने वैक्सीन की अनिवार्यता का प्रचार किया, जबकि 43 प्रतिशत कहते हैं कि बाइडन ओमक्रॉन वेरिएंट का मुकाबला करने को तैयार नहीं थे और 43 प्रतिशत का मानना है कि कोविड केसों की संख्या में पर्याप्त कमी नहीं आ रही है।

जे.एन.यू...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

टहल रही थी तभी कैंपस परिसर में मोटरसाइकिल पर आये युवक ने उसके साथ छेड़छाड़ करने का प्रयास किया। छात्रा के शोर मचाने पर युवक भाग गया पुलिस ने छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया है।

सोलर एनर्जी में फंडिंग के मामले में उद्योगपतियों ने बंपर रुझान दिखाया

दुनिया भर में वर्ष 2021 में सोलर एनर्जी में फंडिंग में जबरदस्त 91 फीसदी की बढ़ोतरी हुई

- शोध सलाह देने वाली कंपनी मेरकॉम कैपिटल ग्रुप की ओर से जारी रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है।
- सोलर उद्योगों में 2020 में इक्विटी या अन्य तरीकों से 14.5 अरब डॉलर रुपये का इन्वैस्टमैंट आया था जो कि 2021 में बढ़कर 28.8 अरब डॉलर से अधिक हो गया है।

मुंबई, 18 जनवरी (वार्ता)। दुनिया में सौर क्षेत्र में कुल कॉर्पोरेट फंडिंग वर्ष 2021 में इसके पिछले वर्ष की तुलना में 91 प्रतिशत बढ़कर 27.8 अरब डॉलर हो गई है।

शोध सलाह देने वाली कंपनी मेरकॉम कैपिटल ग्रुप की जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2021 में सौर क्षेत्र में वेंचर कैपिटल (वी.सी.) और निजी इक्विटी, डेट फाइनेंसिंग और पब्लिक मार्केट फाइनेंसिंग सहित वैश्विक स्तर कॉर्पोरेट फंडिंग 27.8 अरब डॉलर थी, जो वर्ष 2020 में इस क्षेत्र के लिए जुटाए गए 14.5 अरब डॉलर की तुलना में 91 फीसदी अधिक है। इस क्षेत्र में वर्ष 2021 में की गई कॉर्पोरेट फंडिंग पिछले दस साल में सबसे अधिक है।

मेरकॉम कैपिटल ग्रुप के मुख्य कार्यकारी राज प्रभु ने कहा, 2010 सौर क्षेत्र में कॉर्पोरेट फंडिंग के लिए सबसे अच्छा वर्ष रहा है। वर्ष 2021 में सौर क्षेत्र में वैश्विक उद्यम पूंजी और निजी इक्विटी फंडिंग 58 सौदों में 4.5 अरब डॉलर रही, जो वर्ष 2020 में 1.2 अरब डॉलर की तुलना में 281 प्रतिशत अधिक है। यह 2010 के बाद से सौर क्षेत्र के लिए वी.सी. फंडिंग की सबसे अधिक राशि है। पिछले वर्ष 10 करोड़ डॉलर से अधिक के 11 वी.सी. फंडिंग सौदे हुए।

रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2021 में शीर्ष वेंचर कैपिटल वित्त पोषित कंपनी गुडलीप रही, जिसने 80 करोड़ डॉलर के दो अलग-अलग लेन-देन में 1.6 अरब डॉलर जुटाए। इसके बाद सिलिकॉन रांच कॉर्पोरेशन ने 77.5 करोड़ डॉलर, ऑरोरा सोलर ने 25 करोड़ डॉलर, नेक्सैम्प ने 24 करोड़ डॉलर, एनपाल ने 17.5 करोड़ डॉलर और गेमचेंज सोलर ने 15 करोड़ डॉलर जुटाए हैं। पिछले वर्ष सौर क्षेत्र के लिए सार्वजनिक बाजार का वित्तपोषण कुल 7.5 अरब डॉलर का रहा, जो 2020 में 5.1 अरब डॉलर की तुलना में 49 प्रतिशत अधिक है। सबसे बड़ा सौदा सौर परियोजनाओं के लिए बी.ओ.एस. घटक के आपूर्तिकर्ता शॉल्स टेक्नोलॉजीज ग्रुप ने किया। उसने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आई.पी.ओ.) के माध्यम से 2.2 अरब डॉलर जुटाए।

करोना महामारी के दौर में वर्क फ्रॉम होम की पनपी कार्य संस्कृति, खरीद पर बिल्डरों की ओर से दी जाने वाली छूट और आवास ऋण की दर कम रहने से देश के 76 प्रतिशत लोग रियल एस्टेट में निवेशक को बेहतर विकल्प मानते हैं।

ब्रोकरेज सेवा देने वाले ऑनलाइन प्लेटफॉर्म 'नोब्रोकरडॉटकॉम' की मंगलवार को जारी सर्वे रिपोर्ट में कहा गया है कि 76 फीसदी लोगों ने प्रॉपर्टी में निवेश को सबसे लोकप्रिय निवेश का विकल्प बताया है। इसके बाद एस.आई.पी. या शेयर और सोना में निवेश का स्थान है।

कम्युनिटी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फण्ड्स और संसाधन जुटाने होंगे।

सी.जे.आई. ने कहा कि यदि केन्द्र सरकार राज्यों को अतिरिक्त खाद्यान्न मुहैया करवाए तो संसाधन जुटाए जा सकते हैं।

उन्होंने अटॉर्नी जनरल से कहा कि इसे मानवीय समस्या के रूप में देखा जाए तथा सामुदायिक रसोईयों के लिए एक मॉडल स्कीम तैयार की जाए।

याचिकाकर्ताओं की अधिवक्ता अशिमा मांडला ने शीर्ष अदालत से अनुरोध किया कि देशभर में सामुदायिक रसोईयों के संचालन की योजना बनाने के लिए वह एक एक्सपर्ट कमेटी गठित करे। कोर्ट अनुन धवन व अन्य द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रहा था। इस याचिका में मांग की गई थी कि वैश्विक महामारी से मची तबाही के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी राज्यों में और केन्द्र शासित प्रदेशों में अनुदानित कैन्टीन्स बनाई जाए।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा अरावली प्रिन्टर्स, जयपुर रोड, अजमेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908